माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष 2010-2011

मार्गदर्शक
डॉ. कौशल किशोर खरे
सह-प्राध्यापक
(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.),
भोपाल (म.प्र.)

शोधकर्ता
वरीया राजेशकुमार रसीकलाल
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.),
भोपाल (म.प्र.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

2010:2010

माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष 2010–2011

D-331

मार्गदर्शक
डॉ. कौशल किशोर खरे
सह–प्राध्यापक
(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.),
भोपाल (म.प्र.)

शोधकर्ता
बारीया राजेशकुमार रसीकलाल
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.),
भोपाल (म.प्र.)

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

घोषणा पत्र

मैं **बारीया राजेशकुमार रसीकलाल,** छात्र एम.एड. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करता हूँ कि **"माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यवसायिक संतुष्टि का अध्ययन"** नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध 2010-11 में मेरे द्वारा डॉ. के.के. खरे, प्रवक्ता शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में किया गया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) 2010-11 की परीक्षा के लिए आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिये गये आँकडे एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा मेरा प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

शोधकर्ता

बारीया राजेशकुमार
रसीकलाल
एम.एड (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल

स्थान- भोपाल
दिनांकः 25/04/11

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **बारीया राजेशकुमार रसीकलाल,** क्षेत्रीय शिक्षा संस्था (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (आर.आई.ई.) के नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **" माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यवसायिक संतुष्टि का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया प्रथम प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (आर.आई.ई.) परीक्षा सन् 2010–11 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

मार्गदर्शक

स्थानः भोपाल
दिनांक : 25/04/2011

डॉ. कौशल किशोर खरे
(सह–प्राध्यापक)
शिक्षा विभाग,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म.प्र.)

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **"माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन"** की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक **डॉ. कौशल किशोर खरे** (सह–प्राध्यापक) शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को जाता है। उन्होंने जिस सरलता एवं रूचि से मार्गदर्शन किया, इसके लिये मैं उनका अत्यन्त कृतज्ञ हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. कृ. बा. सुब्रमण्यम क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का आभारी हूँ। जिन्होंने प्रस्तुत लघुशोध को सम्पन्न करने हेतु मुझे अनुमति प्रदान की।

मैं आदरणीय पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार गुप्ता, तथा विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश बाबु एवं एम.एड. प्रभारी डॉ. यु. लक्ष्मीनारायण का कृतज्ञ हूँ जिनकी प्रेरणा, स्नेह संरक्षण व सहयोग मुझे मिला।

मैं डॉ. सुनीति खरे, श्री संजय पंडागले एवं समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय–समय पर उचित मार्गदर्शन प्रदान किया।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष एवं समस्त पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारियों का भी आभारी हूँ।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल में कार्यरत उन सभी कर्मचारियों का आभारी हूँ। जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्य हेतु मुझे सहयोग किया।

मैं उन माध्यमिक शालाओं के प्राचार्य एवं शिक्षकों का आभारी हूँ। जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन हेतु मुझे सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने सहपाठी वनराज मकवाणा, दिलीप वसावा एवं समस्त सहपाठियों का आभारी हूँ, जिन्होंने इस कार्य को सम्पन्न करने हेतु समय–समय पर मुझे सहयोग प्रदान किया।

मैं सुरेश मकवाणा सहायक प्राध्यापक आर.आई.ई. भोपाल का आभारी हूँ जिन्होंने मुझे प्रेरणा दी।

मैं अपनी पूजनीय माता रमीलाबहन बारीया एवं पूजनीय पिता रसीकलाल बारीया, धर्मपत्नी श्रीमति हंसाबहन, भाई प्रितेश, दिलीप, राजूभाई बहन तेजल, प्रितिका एवं जिज्ञेश महिडा का हृदय पूर्वक आभार व्यक्त करता हूँ। जिन्होंने इस शोध कार्य को पूर्ण करने के लिये अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

अतः मैं उन सभी को धन्यवाद करना चाहूँगा जिन्होंने इस लघुशोध कार्य की पूरा करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मेरी मदद की है।

स्थान– भोपाल

दिनांक 25/04/2011

शोधकर्ता

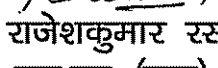

बारीया राजेशकुमार रसीकलाल

एम.एड (छात्र)

अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र

प्रमाण पत्र

आभार ज्ञापन

	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
	अध्याय- प्रथम	
	शोध परिचय	1-13
1.1	प्रस्तावना	1-9
1.2	समस्या कथन	9
1.3	समस्या कथन में प्रयुत शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या	9-11
1.4	शोध कार्य के उद्देश्य	11
1.5	शोध समस्या की परिसीमाएँ	12
1.6	शोध परिकल्पनाएँ	12-13
1.7	शोध अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	13
	अध्याय- द्वितीय	
	संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन प्रस्तावना	14-20
2.1	प्रस्तावना	14-16
2.2	संबंधित शोध कार्य का पुनरावलोकन	16-20

अध्याय– तृतीय

शोध प्रविधि

21–26

3.1 प्रस्तावना 21

3.2 न्यादर्श चयन 21–22

3.3 शोध में प्रयुक्त चर 23

3.4 प्रदत्तों के संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण 23–24

3.5 शोध में प्रयुक्त उपकरणों का प्रशासन 25

3.6 प्रदत्त संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण की अंकन विधि 25–26

3.7 प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय 26

अध्याय– चतुर्थ

प्रदत्तों के विश्लेषण एवं परिणामों की व्याख्या

27–34

4.1 प्रस्तावना 27

4.2 परिकल्पनाओं का परीक्षण 28–34

अध्याय– पंचम

शोध सारांश एवं सुझाव

35–

5.1 प्रस्तावना 35

5.2 समस्या कथन 35

5.3 शोध की परिसीमाएँ 35

5.4 शोध उद्देश्य 36

5.5	शोध की परिकल्पनाएँ	36-37
5.6	न्यादर्श चयन	37
5.7	शोध में प्रयुक्त चर	37-38
5.8	निष्कर्ष	38-39
5.9	प्रदत्तों के संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरण	39-40
5.10	प्रदत्तों के संकलन के लिए प्रयुक्त उपकरणो की अंकन विधि	40-41
5.11	प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुकत सांख्यिकीय	41
5.12	सुझाव	41
5.13	भावि शोध हेतु सुझाव	42

संदर्भ ग्रंथ सूचि

परिशिष्ट